सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 250 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, मंगलवार, 17 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिस प्रकार एक सूखे पेड़ को अगर आग लगा दी जाये तो वह पूरा जंगल जला देता है, उसी प्रकार एक पापी पुत्र पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है।

-चाणक्य

इकाना में खुला ऑस्ट्रेलिया की जीत का... 7 | कांग्रेस के योद्धा तैयार, मप्र में... 3 | कश्यप-निषाद को अपने पाले में... 2

भाजपा सबसे बड़ी वंशवादी पार्टी : राहुल गांधी

वंशवाद को लेकर बीजेपी के नेताओं पर साधा निशाना

बीजेपी-आरएसएस करते हैं संस्कृति व धर्म पर हमले

» बोले- अमित शाह का बेटा क्रिकेट चला रहा

» राजनाथ और अनुराग ठाकुर को भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आइजोल। पांच राज्यों में चुनावी सरगर्मियां बढ़ने लगी हैं। उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम भी चुनावी दलों का अखाड़ा बन गया हे। कांग्रेस ने वहां पर मोदी सरकार व बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राहुल गांधी ने आइजोल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अधिकतर भाजपा नेताओं के बच्चे वंशवादी हैं। अमित शाह का बेटा तो क्रिकेट चला रहा है। राहुल गांधी ने पत्रकारों से पूछा कि अमित शाह, राजनाथ सिंह जैसे तमाम भाजपा नेताओं के बच्चे क्या कर रहे हैं? आखिरी बार सुना था कि अमित शाह का बेटा भारतीय क्रिकेट चला रहा है। उन्होंने कहा, 'अनुराग ठाकुर जैसे तमाम भाजपा के बच्चे वंशवादी हैं।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि वह मिजोरम के लोगों को संदेश देना चाहते हैं, वो बहुत स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी के पास एक कार्यक्रम है, एक रिकॉर्ड है। बाकी दोनों पार्टियां जेडपीएम और एमएनएफ भाजपा और आरएसएस के राज्य में प्रवेश करने के लिए हथियार हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम संस्कृति, धर्म पर हमले की बात करते हैं, तो उस हमले के साधन भाजपा-आरएसएस और वे दल हैं जो उन्हें राज्य में प्रवेश करने की अनुमति देते हैं।

भाजपा ही भ्रष्टाचार की नींव : शिवकुमार

कर्नाटक में आईटी विभाग की छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद होने पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भ्रष्टाचार के पीछे भारतीय जनता पार्टी है और भाजपा भ्रष्टाचार की नींव है। उन्होंने कहा कि पूरा भ्रष्टाचार केवल भाजपा का है। भाजपा भ्रष्टाचार की नींव है, इसलिए कर्नाटक की जनता ने उन्हें उखाड़ फेंका। जो पैसा पाया गया है, वह भाजपा नेताओं से जुड़ा है और इसका कांग्रेस सरकार से कोई लेना-देना नहीं है। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि आयकर विभाग ने कर्नाटक और अन्य राज्यों में सरकारी ठेकेदारों तथा 'रियल स्टेट' करोबारियों के खिलाफ छापे में 94 करोड़ रुपये नकद, आठ करोड़ रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण तथा विदेश में निर्मित 30 महंगी घड़ियां जब्त की हैं।

भ्रष्टाचार पर क्यों चुप हैं राहुल : रविशंकर

रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर हमला बोला और पूछा, यह बहुत बड़ी बात है कि लगभग 50 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। यह नकदी कांग्रेस के लिए भ्रष्टाचार के लिए है। राहुल गांधी, क्या आप इस पर चुप रहेंगे? दूसरी ओर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा के इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिद्धारमैया ने पार्टी पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि यह एक राजनीतिक बयान और बेबुनियाद आरोप है। क्या कांग्रेस के ठेकेदार और भाजपा के ठेकेदार हैं? मैं उन्हें बीजेपी का ठेकेदार कहता हूं। सबूत कहां है?

कांग्रेस मप्र में किसानों और महिलाओं के लिए खोलेगी पिटारा

कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश चुनाव से पहले अपना घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के अनावरण के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे। कमलनाथ ने इस दौरान कहा कि मध्य प्रदेश किसानों का प्रदेश है। कांग्रेस सरकार 2500 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदेगी, हम 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदेंगे। कमलनाथ ने कहा कि मैं हमारे घोषणापत्र के लिए 9,000 से अधिक सुझाव भेजने के लिए मध्य प्रदेश के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रत्येक सुझाव अपने तरीके से महत्वपूर्ण था। मध्य प्रदेश में जाति जनगणना कराना कांग्रेस द्वारा किए गए प्रमुख वादों में से एक है। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के कार्यान्वयन से लेकर, 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली से लेकर महिलाओं के लिए 1,500 रुपये प्रति माह की सहायता और कृषि ऋण माफी, 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने तक, पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने घोषणा की है। यदि कांग्रेस राज्य में चुनाव जीतती है तो कई गारंटी दी जाएंगी। पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की भी बात की गई है।

समलैंगिक जोड़ों को सुप्रीम झटका, शादी को मान्यता देने से इनकार

» सीजेआई ने कहा- यह संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समलैंगिक जोड़ों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सममलैंगिक शादी को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। सीजेआई ने कहा कि यह संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है। उन्होंने केंद्र सरकार को समलैंगिकों के अधिकारों के लिए उचित कदम उठाने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

देशभर की निगाहें आज समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी हुई थीं। सुप्रीम कोर्ट समलंगिक रिश्तों को पहले ही वैध बता चुका है। वहीं11 मई 2023 को 10 दिन की लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, अब सिर्फ फैसले का ही इंतजार था।

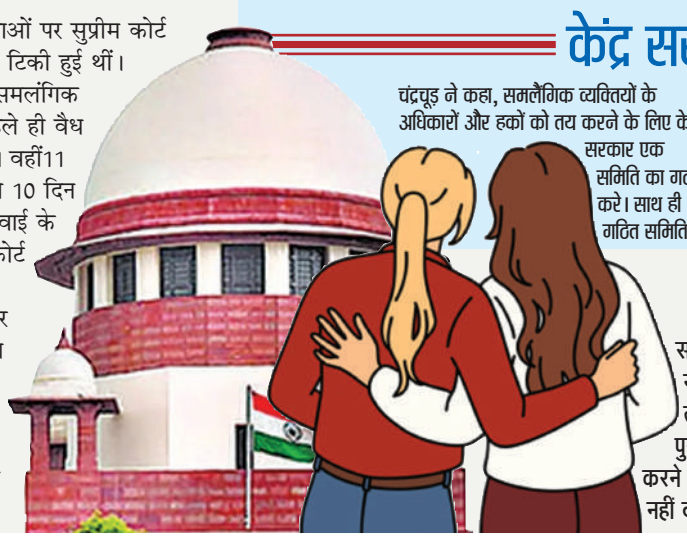

केंद्र सरकार समिति का गठन करे

चंद्रचूड़ ने कहा, समलैंगिक व्यक्तियों के अधिकारों और हकों को तय करने के लिए केंद्र सरकार एक समिति का गठन करे। साथ ही गठित समिति समलैंगिक जोड़ों को राशन कार्डों में परिवार के रूप में शामिल करने, संयुक्त बैंक खातों के लिए नामांकन करने में सक्षम बनाने, पेंशन से मिलने वाले अधिकारों पर भी विचार करें। सीजेआई ने चंद्रचूड़ ने कहा कि समिति की रिपोर्ट को केंद्र सरकार के स्तर पर देखा जाएगा। सीजेआई ने कहा कि यह समलैंगिक लोग कोई अंग्रेजी बोलने वाले सफेदपोश आदमी नहीं है, जो समलैंगिक होने का दावा कर सकते हैं, बल्कि गांव में कृषि कार्य में काम करने वाली एक महिला भी समलैंगिक होने का दावा कर सकती है।

अदालत ने दिया ट्रांसजेंडर्स का उदाहरण

समलैंगिक शादी को मान्यता देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति किसी विषमलैंगिक व्यक्ति से शादी करना चाहता है, तो ऐसी शादी को मान्यता दी जाएगी, क्योंकि एक पुरुष होगा और दूसरा महिला होगी। ट्रांसजेंडर पुरुष को एक महिला से शादी करने का अधिकार है, ट्रांसजेंडर महिला को एक पुरुष से शादी करने का अधिकार है और ट्रांसजेंडर महिला और ट्रांसजेंडर पुरुष भी शादी कर सकते हैं,अगर अनुमति नहीं दी गई, तो यह ट्रांसजेंडर अधिनियम का उल्लंघन होगा।

कश्यप-निषाद को अपने पाले में करेगी सपा

» हर जिले में सम्मेलन करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने कश्यप-निषाद समाज पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की रणनीति बनाई है। इसके तहत हर जिले में सजातीय समाज के बीच सम्मेलन करने की तैयारी की जा रही है। पार्टी पदाधिकारियों के बीच क्षेत्रवार जिम्मेदारियां भी बांटी जा रही हैं। अखिलेश यादव ने कश्यप, निषाद, धीमर, कहार, मझवार, रैकवार व तुरहा समेत रोटी-बेटी के रिश्ते रखने वाली जातियों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ 13 अक्टूबर को लंबी बातचीत की थी। जातीय जनगणना समेत तमाम मुद्दों पर उनकी राय जानी। साथ ही यह भी भरोसा दिया कि केंद्र की सत्ता में प्रभावी भूमिका में आने पर आरक्षण संबंधी उनकी मांगों को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास किए जाएंगे।

लेकिन, उस स्थिति में सपा को लाने के लिए कश्यप-निषाद समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों को अभी से जनाधार बढ़ाने में मदद करनी होगी। सपा की ओबीसी विंग को जिम्मेदारी दी गई है कि कश्यप-निषाद समाज के साथ बस्ती, बरेली और एटा में जो घटनाएं हुई हैं, उन्हें लेकर हर जिले व मंडल में जाना है। सजातीय सम्मेलन करके यह बताना है कि फूलन देवी को सांसद बनाने का काम सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने ही किया था। जबकि, भाजपा जातीय जनगणना तक के समर्थन में नहीं है और जातीय जनगणना से ही हर जाति की आबादी के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित होगी। सपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजपाल कश्यप कहते हैं कि हम इन मुद्दों को लेकर योजनाबद्ध ढंग से कश्यप-निषाद समाज के बीच जा रहे हैं।

समाजवाद के प्रथम प्रणेता थे महाराजा अग्रसेन: सपा प्रमुख

प्रदेश सपा मुख्यालय पर महाराजा अग्रसेन की जंयती मनाई गई। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि महाराजा अग्रसेन अग्रोहा राज्य के राजा थे। वे महादानी और समाजवाद के प्रथम प्रणेता थे। उन्होंने जिन जीवन मूल्यों को ग्रहण किया, उन्हें अपने शासन काल में स्थापित किया और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। महाराजा अग्रसेन ने ही यज्ञों में पशुबलि बंद कराई थी। सपा मुखिया ने कहा इस समाज से मानव कल्याण के सराहनीय काम किए। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेंद्र चौधरी, अपर्णा बंसल जैन, सुनील जैन, रिंकु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्रि की दी बधाई

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने शारदीय नवरात्रि पर सभी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व सबको नवशक्ति, नव संकल्प से परिपूर्ण करे और सबके जीवन को मंगलमय बनाए। उन्होंने कहा कि नवरात्रि मां भगवती की आराधना और शक्ति की उपासना का पर्व है।

प्रत्याशी सपा का सिंबल लेने को तैयार नहीं : कमलनाथ

लखनऊ। कांग्रेस के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष कमलनाथ का कहना है कि वह सपा का साथ लेने के इच्छुक है, पर हमारे प्रत्याशी उसके सिंबल पर लड़ने के लिए तैयार नहीं है। इससे दिक्कतें आ रही हैं। कांग्रेस ने रविवार को उन सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिए, जो सपा गठबंधन के तहत मांग रही थी। इस पर सपा ने भी नौ प्रत्याशियों की अपनी सूची जारी कर दी। इस तरह से कई सीटों पर कांग्रेस और सपा आमने-सामने आ गए। सपा सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस से गठबंधन की कई राउंड बात हुई। उसका रुख भी सकारात्मक था, पर अचानक उन सीटों पर भी कांग्रेस ने उम्मीदवार दे दिए, जिन पर सपा दावा कर रही थी। अगर गठबंधन नहीं करना था तो पहले ही स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए थी। अब सपा यादव बहुल कुछ अन्य सीटों पर भी उम्मीदवार उतारेगी। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सपा शीघ्र ही कुछ और प्रत्याशी उतारेगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात न बनने पर पार्टी नेतृत्व इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

किसी की पल्स रेट जांचना अपराध नहीं

अदालत अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को करेगी

» महिला पहलवान यौन शोषण मामले में वकील ने कोर्ट में दी दलील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी सुनवाई के लिए कोर्ट पहुंचे। कोर्ट में बृजभूषण शरण सिंह के वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर जो आरोप लगे हैं उनका कोई आधार नहीं है। अदालत ने आगे की बहस के लिए मामले की अगली तारीख 19 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध की है।

वकील ने अदालत से कहा कि बिना यौन इरादे के पल्स रेट की जांच करना कोई अपराध नहीं है। बृज भूषण शरण सिंह और विनोद तोमर पर छह महिला पहलवानों की शिकायतों के आधार पर दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में आरोप पत्र दायर किया गया है। कोर्ट में बृजभूषण के वकील ने दलील देते हुए कहा कि जो ओवरसाइट कमेटी का गठन हुई थी वो किसी शिकायत के आधार पर नहीं बनी थी। केंद्रीय खेल मंत्री को टैग कर किए गए कुछ ट्वीट के आधार पर इसका गठन हुआ था। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने बृजभूषण शरण सिंह के वकील की दलील सुनने के बाद मामले को आगे की बहस के लिए 19 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध किया है।

मुझे फंसाने के लिए लोगों को दी जा रहीं यातनाएं : सीएम केजरीवाल

» बोले- 8 साल से कोशिश कर रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी पर लगातार घोटालों का आरोप लगाया जा रहा है। जिसके चलते पार्टी के कई बड़े नेता जेल में हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोगों पर तरह तरह के दबाव बना कर मेरे ख़िलाफ़ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएँ भी दी गयीं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि बीते आठ सालों से मुझे झूठे केसों में फंसाने की कोशिश की जा रही है।

सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखा कि यह घटना साल 2015 की है। मोदी सरकार 2015 से मुझे झूठे केसों में फंसाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि एजेंसी वाले कहते हैं कि अपने बॉस केजरीवाल का नाम बता दो। उन्हें मेरे खिलाफ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएं भी दी गई हैं। आगे लिखा कि प्रधानमंत्री देश के लिए काम करने के बजाय 24 घंटे अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने के षड्यंत्र बनाते रहते हैं।

शराब मामले में आप को आरोपी बनाने पर विचार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हम दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं। जांच एजेंसियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि वे शराब नीति अनियमितता मामले में आप को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं। मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों की ओर से यह दलील दी गई। सिसौदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई कल भी जारी रहेगी। एसवी राजू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ से कहा कि उन्हें आपको यह बताने के निर्देश हैं कि एजेंसियां आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, पीठ ने राजू से मंगलवार को इस बारे में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा कि क्या सीबीआई और ईडी की जांच वाले मामलों में आप के खिलाफ अलग-अलग आरोप होंगे।

राजस्थान में अपना जनाधार बढ़ाएंगे : बसपा

» मायावती ने संभाली राजस्थान की कमान, आकाश एमपी और छत्तीसगढ़ में होंगे सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 16 नवंबर से 20 नवंबर तक राजस्थान में लगातार आठ रैलियों को संबोधित करेंगी। बसपा की ओर से जल्द ही रैलियों का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर बसपा के नेशनल कोआर्डिनेट आकाश आनंद ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की कमान संभाल ली है।

राजस्थान में बसपा सुप्रीमों मायावती 4 दिन 8 जनसभाओं को करेंगी सम्बोधित। 17,18,19 व 20 नवंबर को बसपा उमीदवारों के पक्ष में वह जनसभा को संबोधित करती हुए नजर आएंगी। बता दें कि बसपा सुप्रीमो ने राजस्थान और तेलंगाना में किसी भी दल का समर्थन लिए बिना चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बसपा ने गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी के साथ गठबंधन किया है। बसपा सुप्रीमो के भतीजे आकाश आनंद बीते एक माह से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पार्टी का जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वह लगातार जनसभाओं के जरिए वोटरों को बसपा के साथ जुड़ने और गठबंधन प्रत्याशियों को जिताने के लिए प्रयासरत हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक मायावती नवंबर माह में चारों राज्यों में तमाम रैलियों में हिस्सा लेंगी। ये संयुक्त रैलियां बसपा और गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशियों के लिए आयोजित की जाएंगी।

वहीं मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने पांचवी सूची जारी कर दी है। पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह को सतना जिले की नागोद सीट से प्रत्याशी बनाया है। पूर्व विधायक रसाल सिंह को भिंड जिले की लहार सीट से उतारा है। सतना विस सीट से रत्नाकर चतुर्वेदी, अशोक नगर सीट से धनपाल सिंह और बालाघाट की बालाघाट सीट से कमल सिंह राउत को उम्मीदवार बनाया है।

रीवा में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन से बढ़ा उत्साह

आकाश आनंद दोनों राज्यों में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन करके पार्टी का आधार मजबूत कर रहे हैं। अक्टूबर माह में उन्होंने मुरैना और रीवा में दो बड़े सम्मेलन में हिस्सा लिया, जिसमें खासी भीड़ जुटी थी। इससे पहले उन्होंने हरियाणा और पंजाब में भी इसी तरह के सम्मेलनों में हिस्सा लेकर पार्टी का जनाधान बढ़ाने का प्रयास किया। खास बात यह है कि इन सम्मेलनों में सत्तारुढ़ दलों के भ्रष्टाचार के मामलों को जनता के बीच रखने की रणनीति अपनाई जा रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक जल्द ही छत्तीसगढ़ में भी आकाश आनंद के नेतृत्व में कई जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

कांग्रेस के योद्धा तैयार, मप्र में तेज होगा प्रचार

भाजपा ने भी कस ली कमर, कमलनाथ व दिग्विजय की रणनीति पर होगी लड़ाई, प्रत्याशियों के नाराजगी की भी खबरें, दिग्गज बोले- सब ठीक है, जीत का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिए कांग्रेस ने भी अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची के साथ ही कमलनाथ व उनकी टीम ने कमर कसना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भाजपा की शिवराज सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कमलनाथ, दिग्विजय से लेकर सभी नेता भाजपा के भ्रष्टाचार को हर रैली व सभा में उठाकर उसको बेचैन कर रहे हैं। सूची को लेकर जैसे भाजपा में नाराजगी की बातें सामने आ रही थी वैसे ही कांग्रेस में भी नाराजगी की खबरें भी आ रही हैं। हालांकि दोनों प्रमुख दलों का शीर्ष नेतृत्व इन बातों को खारिज कर रहा है। खैर इन सब बातों की सच्चाई चुनाव नतीजों के आने के बाद आ ही जाएगी। नवरात्र के पहले दिन कांग्रेस ने 144 प्रत्याशियों के नाम की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 69 विधायकों को दोबारा टिकट दिया गया है। जबकि पांच विधायकों के टिकट काट दिए गए है। वहीं, कई प्रबल दावेदार माने जा रहे विधायकों के नाम होल्ड कर दिए है। इसमें पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह गुट के भी विधायक और दावेदार शामिल है। इस बीच सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हुई कि दिग्विजय सिंह नाराज है। इस पृष्ठभूमि में अचानक एक पत्र भी वायरल हुआ। उसमें दिग्विजय सिंह ने कथित तौर पर समर्थकों को टिकट न मिलने पर नाराजगी जताई और इस्तीफे की पेशकश कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को की।

हालांकि, कुछ ही देर में दिग्विजय सिंह ने साफ किया कि यह लेटर उन्होंने नहीं लिखा है। उन्होंने इसे भाजपा की शरारत करार दिया। साथ ही एफआईआर दर्ज कराने की बात भी कही। शाम को कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस से मिलकर शिकायत भी दर्ज कराई। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी के खिलाफ इस पत्र को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के मामले में कार्रवाई की मांग की गई है।

दिग्विजय सिंह ने एक-एक सीट का लिया फीडबैक

मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी के लिए पूर्व सीएम और दिग्विजय सिंह पिछले कई दिनों से जुटे हुए हैं। उन्होंने लगातार हारने वाली एक-एक सीट पर जाकर फीडबैक लिया। पार्टी की तरफ से अहम जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके समर्थक दावेदार और मौजूदा विधायक अपनी सीट सेफ होने को लेकर निश्चंत थे, लेकिन रविवार को पहली सूची में दिग्गी गुट के विधायक और दावेदारों के टिकट कट गए या होल्ड कर दिए गए हैं। इसमें पहला नाम दिग्विजय सिंह के खास माने जाने वाले पन्ना जिले के गुन्नौर से विधायक शिवदयाल बागरी को टिकट काट दिया है। यहां पर जीवन लाल सिद्धार्थ को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। जीवनलाल सिद्धार्थ 2018 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे। बताया जा रहा है कि शिवदयाल बागरी का टिकट सर्वे की रिपोर्ट ठीक नहीं होने पर काटा गया है। भोपाल की गोविंदपुरा सीट पर भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। यहां पर पहले नंबर पर दिग्विजय सिंह गुट के रवींद्र साहू झूमरवाला का नाम चल रहा था। उनके चुनाव कार्यालय का शुभारंभ छह महीने पहले खुद दिग्विजय सिंह ने किया था। वहीं, भोपाल की ही दक्षिण पश्चिम सीट पर दिग्विजय सिंह के खास पीसी शर्मा का नाम भी होल्ड हो गया है। वर्तमान विधायक पीसी शर्मा का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था, लेकिन अब पार्टी ने टिकट होल्ड करने से साफ है कि इस सीट पर पेच फंस गया है। बता दें यहां पर इंजी. संजीव सक्सेना टिकट मांग रहे है। उनका दावा है कि पिछले चुनाव में दिग्विजय सिंह ने उनको टिकट देने का वादा किया था। यह भी चर्चा है कि दिग्विजय सिंह शुजालपुर से बंटी बना का नाम आगे बढ़ाया था, लेकिन पार्टी ने अभी इस सीट को भी होल्ड कर दिया है।

144

प्रत्याशियों के नाम की पहली सूची जारी कर दी है कांग्रेस ने नवरात्र के पहले दिन

सूची को लेकर नाराजगी

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली सूची आते ही पार्टी में विरोध के सुर भी फूट पड़े हैं। टिकट न मिलने से नाराज नेताओं और उनके समर्थकों के इस्तीफे देने का सिलसिला सा शुरू हो गया है। कांग्रेस ने रविवार को अपनी पहली सूची जारी कर 144 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों का नाम सामने कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस में नाराज नेता भी खुलकर सामने आ गए हैं। टीकमगढ़ की खरगापुर विधानसभा, ग्वालियर की ग्रामीण, सतना की नागोद के साथ ही बिजावर, दतिया, डबरा और पवई जैसी कई सीटों पर प्रत्याशी का विरोध नजर आया है। घोषणा होने के साथ कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल नजर आ रहा है। उज्जैन उत्तर में कांग्रेस प्रत्याशी माया राजेश त्रिवेदी का विरोध शुरू हो चुका है, जिसके लिए शहर के कुछ स्थानों पर माया राजेश त्रिवेदी के पुतले जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। उत्तर विधानसभा में माया त्रिवेदी को टिकट मिलते ही कांग्रेस में बगावत का दौर शुरू हो गया है। कई जगह माया त्रिवेदी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस ने उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र से माया त्रिवेदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके चलते कई दावेदारों और उनके समर्थकों ने नाराजगी जताई है। उज्जैन उत्तर विधानसभा की प्रत्याशी माया राजेश त्रिवेदी के कंठाल, कोयला फाटक, आगर नाका और कांग्रेस ऑफिस सहित कई जगह पुतले जलाए गए हैं। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रितेश शर्मा ने बताया कि माया त्रिवेदी को टिकट देना गलत है क्योंकि वह अयोग्य उम्मीदवार हैं उन्होंने पार्टी के उम्मीदवार के सामने बागी होकर चुनाव लड़ा था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बने इसलिए भी वह पूजा अर्चना करवा चुके हैं। इससे कांग्रेस का अहित होगा। जब माया राजेश त्रिवेदी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ी थी तो उन्हें 10,000 वोट आए थे। इसीलिए पुतला फूंका गया है अगर यह टिकट नहीं बदला गया तो आने वाले समय में और भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जबकि माया राजेश त्रिवेदी को टिकट दिए जाने से नाराज एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष अंबर माथुर ने बताया कि हम इस घोषणा का विरोध करते हैं क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने जिसे अपना कैंडिडेट बनाया है वह अयोग्य है। माया त्रिवेदी के पास कोई कार्यकर्ता नहीं है और वह पूर्व में भी निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा चुकी है। ऐसे व्यक्ति को टिकट देना कहीं ना कहीं गलत है। इसीलिए आज हमने उनका पुतला जलाकर यह टिकट बदलने की मांग की है।

कांग्रेस ने मिजोरम के लिए पहली चुनावी सूची

कांग्रेस ने मिजोरम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। 40 विधानसभा सीटों वाले इस राज्य में कांग्रेस ने 39 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया है। पार्टी ने सिर्फ लुंगलेई साउथ सीट पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, ललसावता को आइजोल पश्चिम-3 विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। आइजोल पूर्व-1 से ललसंगलरा रातले, आइजोल पश्चिम-1 से आर. ललबियाकथांगा और पलाक से आईपी जूनियर को उम्मीदवार बनाया गया है। मिजोरम की सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए सात नवंबर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी। मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को खत्म होगा। पूर्वोत्तर के इस राज्य में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है। राज्य में पिछले चुनाव 28 नवंबर 2018 को हुए थे। इस चुनाव में 40 सदस्यीय विधानसभा में एमएनएफ को 27 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने चार सीटें, जबकि भाजपा को एक सीट पर विजय मिली थी। इसके अलावा आठ सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों को जीत मिली थी। इसके साथ ही राज्य में मुख्यमंत्री जोरमथंगा के नेतृत्व में एमएनएफ की सरकार बनी थी। वर्तमान में सियासी समीकरण की बात करें तो, इस वक्त 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा में एमएनएफ के 28, कांग्रेस के पांच, जेडपीएम के एक और भाजपा के एक विधायक हैं। पांच सीट पर निर्दलीय विधायक हैं। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला एमएनएफ, जेडपीएम, कांग्रेस और भाजपा के बीच होने की उम्मीद है। इस वक्त राज्य में एमएनएफ की सरकार है जिसके सामने चुनाव में अपनी सत्ता बचाने की चुनौती होगी। राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री जोरामथंगा हैं। एमएनएफ इस बार भी उनके चेहरे के साथ ही चुनाव में जाएगी। इससे पहले चार अक्तूबर को 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा के लिए एमएनएफ ने सभी सीटों पर नामों की घोषणा की थी। जोरामथंगा आइजोल पूर्व-द्व से चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा के दौरे शुरू

भाजपा प्रत्याशी कमल पटेल ने संकट मोचक भगवान हनुमान की आरती पूजा करने के उपरांत रास्ते में गगरी का सम्मान करते हुए गौ माता की सेवा पूजा से अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की। भाजपा प्रत्याशी कमल पटेल सुबह से लेकर देर रात तक कई गांवो में जनसंपर्क अभियान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को शहडोल जिले के दौरे पर रहेंगे। नवरात्र के पर्व पर मां कंकाली देवी और सिंहवासिनी की पूजा कर विधानसभा जयसिंहनगर और विधानसभा जैतपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समाज हित का निर्णय गर्भपात की अनुमति नहीं

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ दो बच्चों की मां को 26-सप्ताह का गर्भ समाप्त करने के शीर्ष अदालत के नौ अक्टूबर के आदेश को वापस लेने की केंद्र सरकार की याचिका पर जिरह सुन रही थी। पीठ ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि हम बच्चे को नहीं मार सकते। साथ ही पीठ ने कहा था कि एक अजन्मे बच्चे के अधिकारों और स्वास्थ्य के आधार पर उसकी मां के निर्णय लेने के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की जरूरत है।

कोर्ट का समाज हित में निर्णय- चिकित्सकीय गर्भपात की अनुमति नहीं भारत की शीर्ष अदालत ने भ्रूण के मामले में एक महत्वपूर्ण निणर्य दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने विवाहित महिला को 26 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति देने से इनकार किया। यह फैसला समाज के लिए एक नजीर बन सकता है जिसमें वे लोग जो अनचाहे गर्भ के नाम पर गर्भपात करवाते हैं वह अब ऐस करने से डरेंगे। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि भ्रू ण में कोई विसंगति नहीं देखी गई। गर्भावस्था 24 सप्ताह से अधिक की हो गई है, इसलिए चिकित्सकीय गर्भपात की अनुमति नहीं दी जा सकती। शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला का गर्भ 26 सप्ताह और पांच दिन का हो गया है। इस मामले में महिला को तत्काल कोई खतरा नहीं है और यह भ्रूण में विसंगति का मामला नहीं है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ दो बच्चों की मां को 26-सप्ताह का गर्भ समाप्त करने के शीर्ष अदालत के नौ अक्टूबर के आदेश को वापस लेने की केंद्र सरकार की याचिका पर जिरह सुन रही थी। पीठ ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि हम बच्चे को नहीं मार सकते। साथ ही पीठ ने कहा था कि एक अजन्मे बच्चे के अधिकारों और स्वास्थ्य के आधार पर उसकी मां के निर्णय लेने के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की जरूरत है। यह मुद्दा उस वक्त उठा, जब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) मेडिकल बोर्ड के एक चिकित्सक ने 10 अक्टूबर को एक ई-मेल भेजा था। इसमें कहा गया था कि इस चरण पर गर्भ समाप्त करने पर भ्रूण के जीवित रहने की प्रबल संभावना है। इससे पहले बोर्ड ने महिला की जांच की थी और छह अक्टूबर को शीर्ष अदालत के सामने रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। मामला न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के पास तब आया, जब बुधवार को दो न्यायाधीशों की पीठ ने महिला को 26-सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति देने के अपने नौ अक्टूबर के आदेश को वापस लेने की केंद्र की याचिका पर खंडित फैसला सुनाया। कोर्ट ने नौ अक्टूबर को महिला को यह ध्यान में रखते हुए गर्भ को चिकित्सीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दी थी कि वह अवसाद से पीड़ित है और भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक रूप से तीसरे बच्चे को पालने की स्थिति में नहीं है। एक तरह से निचली अदालत के फैसले को बदल कर शीर्ष अदालत ने समाज में ऐसे लोगों को दायित्वों से भागने पर भी रोक लगा दी है। इस अदालती फरमान के बाद इस तरह की मांग पर भी लगाम लगेगी। गर्भावस्था का समय बढ़ने के बाद महिला के स्वास्थ्य को भी नुकसान होने से बचाया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीत के नुस्खों का चुनावी मनोरंजन

क्षमा शर्मा

पांच विधानसभाओं यथा-राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम के चुनाव आ पहुंचे हैं। जल्दी ही 2024 में लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं। हमारे यहां चुनाव बहुत से पश्चिमी देशों से अलग होते हैं। स्विटज़रलैंड में तो चुनाव में वोट हाथ खड़े करके ही डाल दिए जाते हैं। वहां न मतपत्रों का लफड़ा है न ईवीएम का। इसलिए अक्सर चुनावों में हुई बेईमानी का रोना भी नहीं रोता है।

जब से टीवी की क्रांति हुई है, चैनल्स चौबीस सात के हिसाब से काम करने लगे हैं, सोशल मीडिया आ पहुंचा है, और अखबारों की उपस्थिति घरों में बहुत बढ़ी है तब से चुनाव बहुत ही रोचक मोड में आ गए हैं। यह एक ऐसी लम्बी सुपरहिट फिल्म है जो महीनों तक चलती है। हर रोज एक नया नायक और नायिकाएं जन्म लेती हैं। दिलचस्प है कि अभी मंच पर जिसे नायक बनाया गया है, मीडिया में जिसकी खूब बाइट्स चली हैं, वह अगले ही पल खलनायक में तब्दील कर दिया जाता है। हिंदी फिल्मों का बड़े से बड़ा स्क्रिप्ट राइटर वह मनोरंजन पैदा नहीं कर सकता जो चुनाव करते हैं। और इसे आप बिना कहीं आए जाए, बिना समय बर्बाद किए, बिना टिकट खरीदे, हर वक्त देख सकते हैं। इसमें बाक्स आफिस की चिंता भी नहीं करनी पड़ती। हां हार-जीत का, नफे-नुकसान का पता जरूर चलता रहता है। भांति-भांति के चरित्र दिखाई देते हैं। अभी किसी ने मंच से भाषण में अपने शब्दों से किसी को दो लप्पड़ लगाए। फिर अगली जगह कोई दूसरा बोलने आया तो उसने खींचकर पांच लात मारी। आज किसी ने की ऐसा वक्तव्य दिया कि मीडिया में हा-हाहाकार मच गया। निंदा करने वाले वीरों की फौज उमड़ आती है।

और चुनाव खत्म होने के बाद साथ-साथ खाया, पिया, मिले, बैठे। तू मेरा चांद मैं तेरी चांदनी गा-गाकर सारे गिले-शिकवे दूर किए। गरीबों की सुनो वह तुम्हारी सुनेगा वाली तर्ज पर बहुत से लोग किसी गरीब के यहां भोजन करते दिखते हैं। कोई गरीब के बच्चों को गोद में उठाता है, उनसे नाते-रिश्तेदारी जोड़ता है। महिलाओं के देखते ही चरण छूने बढ़ता है और रक्षाबंधन न होते हुए भी राखी के लिए कलाई आगे कर देता है। एक वोट का सवाल जो ठहरा बाबा। चुनाव से पहले वोट के लिए कुछ भी करवा लो। गीत-संगीत का बोलबाला होता है। किसी

के रथ के आगे बैंड-बाजा चल रहा है और नेता जी बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, टैम्पो पर सवार हैं। या अपनी खुली जीप पर बैठे हैं अथवा हेलिकाप्टर से पधारे हैं और लोग उन्हें देखने को उमड़े पड़ रहे हैं। नारों से आसमान गुंजायमान है।

किसी बड़े मेले जैसा दृश्य है। लोग बैठे हैं, खड़े हैं, तालियां बजा रहे हैं। धन्य भाग हमारे कि आपके दर्शन हुए। फिर पांच साल में अगर जीते तो कब होंगे पता नहीं। और अगर हार गए तो भी पता नहीं। लोग फूलमालाएं लेकर खड़े हैं जयकारा लगा रहे हैं- हमारा नेता कैसा हो अमुक जैसा हो। जब तक सूरज-चांद रहेगा नेता जी तुम्हारा नाम रहेगा। सूरज-चांद तो अपनी जगह रहते हैं मगर नेताओं के नाम-काम बदलते जाते हैं। न जाने कितने भोज आयोजित किए जाते हैं कि शादी-बारात में जा रहे हों। लोगों को किसी अवसरदानी की तरह मुफ्त की चीजों के वायदे में लपेटा जाता है। मुझे जिताओ तो मैं टीवी दूंगा, फ्रिज दूंगा, शादियां करवाऊंगा, पढ़ाऊंगा, लिखाऊंगा, नौकरियों का बंदोबस्त करूंगा, मुफ्त इतने हजार रुपये दूंगा। अन्नदाताओं के पांव पडूंगा आदि-आदि। उनकी तरह कुछ पल के लिए निराई करूंगा, पराली का बोझ ढोऊंगा, हल और ट्रैक्टर चलाऊंगा। इन दिनों तो सब आपके हवाले, बस वोट मेरे हवाले कर देना भाइयों और बहनों। माताओं और बेटियों। शरणागत की रक्षा करना तो हमारा धर्म रहा है, अब मुझ जैसे की रक्षा करना भी आपका फर्ज है। जो कुर्सी सपने में आती है, प्लीज उस पर बिठा देना, भगवान आपका भला करेगा।

फ्री बस सेवा और रेल सेवा कर दूंगा। फ्री-फ्री का बोलबाला है। इस फ्री के लिए पैसे कहां से आएंगे, सरकारी खजाने में बाकी योजनाओं के लिए कुछ बचेगा या नहीं राम जाने। हमें तो लोगों का लालच जगाकर वोट लेने हैं, बाकी जय सियाराम।

भाषणों में ऐसे कुलाबे भिड़ाए जाते हैं कि जो लोग भाषण लिखते होंगे उनके पास भी शब्द कम पड़ जाते होंगे। ऐसे-ऐसे उपक्रम होते हैं कि सेलिब्रिटीज भी शरमा जाएं। बैंड-बाजे, ढोल-तांसे, नाच गाने वाले, लोक कलाकार, लाउडस्पीकरों, पार्क, खुली जगहों की शादी के सीजन की तरह भारी बुकिंग देखी जाती है। हर तरफ मुस्कुराहट और नेताओं की नायकों की तरह भीड़ लग जाती है।

आत्म-दीप बनकर ही हासिल होगा उजियारा

'प्राचीन काल में एक भिखारी था। एक बार उसके मन में सम्राट बनने की तीव्र इच्छा जगी, तो उसने शहर के चौराहे पर बैठकर अपनी फटी-पुरानी चादर बिछाकर, अपना कटोरा रख दिया और सुबह-दोपहर-शाम यानी तीनों टाइम भीख मांगना शुरू कर दिया। तार्किक प्रश्न है कि अब भला भीख मांगकर भी क्या कोई सम्राट बन सका है? वह अपनी अज्ञानता में डूबा था। किंतु उसे तो इस बात का पता ही नहीं था वह इस तरह जीवनपर्यंत अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता।

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

गौतम बुद्ध और वर्धमान महावीर ने अपने शिष्यों को 'अप्पा दीवो भव' अर्थात् 'आत्म दीप भव:' का मूल मंत्र दिया है। निस्संदेह, इसका तात्पर्य यही है कि हम जब स्वयं को पहचान लेंगे, तो फिर जगत के झंझटों में हमें उलझना नहीं पड़ेगा। एक मायने में आत्मज्ञान हासिल करने का संदेश मस्तमौला फक्कड़? कबीर तो जाने कब से हमें चेताता आ रहा है और बार-बार बता रहा है-

'कस्तूरी कुंडल बसे, मृग ढूंढ़े बन मांहि।
तैसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नांहि।'

विडंबना यह है कि आज मुख्यत: समाज बहिर्मुखी हो गया है, इसीलिए बाहर की चकाचौंध में भटकना आज के मानव की नियति बन गई है। दिखावे के मोह में हम अपनी शक्ति व सामर्थ्य से अनभिज्ञ बने रहते हैं। जिसका परिणाम यह है कि मन अशांत रहता है। सब कुछ हमारे पास विद्यमान होते हुए भी अगर हम उसके लिए इधर-उधर भटकते रहें, तो इसमें दोष तो हमारा ही हुआ न?

बहुचर्चित साहित्यिक कृति 'कामायनी' के रचयिता महाकवि जयशंकर प्रसाद ने मानव-जीवन की विडंबना की ओर संकेत करते हुए कहा है-

'ज्ञान दूर, कुछ क्रिया भिन्न है,
इच्छा क्यों पूरी हो मन की।
एक-दूसरे से न मिल सके,
यह विडंबना है जीवन की।'

दरअसल, सचमुच हमारी स्थिति यह हो गई है कि 'बगल में छोरा, नगर में ढिंढोरा' की कहावत को हम सभी चरितार्थ कर रहे हैं। हम अपने और अपने आसपास के लोगों के गुणों का अहसास नहीं कर पाते। इसी संदर्भ में मुझे आज एक बोधकथा पड़ने को मिली, जो आप भी पढ़िए-

'प्राचीन काल में एक भिखारी था। एक बार उस के मन में सम्राट बनने की तीव्र इच्छा जगी, तो उसने शहर के चौराहे पर बैठकर अपनी फटी-पुरानी चादर बिछा कर, अपना कटोरा रख दिया और सुबह-दोपहर-शाम यानी तीनों टाइम भीख मांगना शुरू कर दिया। तार्किक प्रश्न है कि अब भला भीख मांगकर भी क्या कोई सम्राट बन सका है? वह अपनी अज्ञानता में डूबा था। किंतु उसे तो इस बात का पता ही नहीं था वह इस तरह जीवनपर्यंत अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। वर्षों भीख मांगते-मांगते वह बूढ़ा हो गया और आखिर एक दिन मौत ने दस्तक दे दी और वह बूढ़ा भिखारी भी मर गया।

इकट्ठे होकर लोगों ने उसका मृत शरीर जला दिया और उसके सभी फटे-पुराने कपड़े-लत्ते नदी में बहा दिये। जहां वह बैठकर भीख मांगा करता था, वहां कभी सफाई तो की नहीं थी, इसलिए वह जमीन काफी गंदी हो गयी थी। लोगों ने वहां सफाई करने के लिए जमीन की थोड़ी खुदाई की। खुदाई करने पर लोगों को वहां बहुत बड़ा खजाना गड़ा हुआ मिला, तो लोगों को आश्चर्य के साथ ही दु:ख भी हुआ।

तब लोगों ने कहा, 'बताओ, कितना बड़ा अभागा था यह बूढ़ा भिखारी? जीवन भर भीख मांगता रहा, लेकिन जहां बैठा करता था, अगर वहीं कभी जरा-सी खुदाई कर लेता, तो सम्राट बन जाने की उसकी इच्छा पूरी न हो जाती?'

कमोबेश हमारे जीवन व्यवहार में भी ऐसा ही होता है। बस, ऐसे ही हम भी तो जीवनभर, बाहर की चीजों की तो भीख मांगते रहते हैं, किन्तु जरा-सा अपने भीतर गोता मार कर देख लें और स्वयं को पाने के लिए ध्यान का जरा-सा अभ्यास करें, तो अपनी आत्मा में छिपे उस बेमोल खजाने को पा सकते हैं, जो हमारे अंदर ही छुपा हुआ रहता है। लेकिन अज्ञानता के चलते हम अपनी बहुमूल्य संपदा के सुख से वंचित हो जाते हैं। जीवन की हकीकत हमें ज्ञानी-ध्यानी हमेशा से ही बताते रहे हैं।

वैसे कबीर ने तो हमें कई बार कहा भी है-

'ज्यों चकमक में आग है, ज्यों पुहुपन में बास।
तेरा साईं तुझ में, जाग सके तो जाग।'

आइए, संसार के झमेलों से खुद को मुक्त करके थोड़ी देर तो 'आत्म-दीप' जलाकर स्वयं को ढूंढ़ें। जिस पल हम अपने भीतर के उजियारे को पा लेंगे, सच मानिए, हमारे जीवन में उजियारा ही उजियारा होगा। संसार के सारे झंझटों से हमें निराशा और हताशा ही तो मिलती है, जिसे मिटाने की संजीवनी यही है कि हम अपने भीतर की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों को पहचानें और उन्हें दूसरों को सुख देने में लगाने का प्रयास करें। सकारात्मक व्यक्ति सदैव जीवन में सफल होता है। इसका सकारात्मक प्रभाव उसके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। याद रखिए, सुख बांटने से और ज्यादा बढ़ता है, तो अपने सुखों को खूब बांटिए और उन्हें बहुगुणित करते रहिए। सही मायनों में सुख और दुख की तासीर है कि बांटने से दुख कम हो जाता है और सुखता बढ़ता ही जाता है।

'कहने से घट जाय दुख, अपने देते साथ।
सुख बढ़ता बांटे अगर, बांटो दोनों हाथ।'

नवरात्रि में करें मध्य प्रदेश के दुर्गा मंदिरों में दर्शन

15 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि का आरंभ हो गये हैं। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस मौके पर भक्त मंदिरों की यात्रा करते हैं और माता के स्वरूपों के दर्शन और पूजा अर्चना करते हैं। सबसे प्रसिद्ध दुर्गा मंदिरों में माता वैष्णो देवी धाम है। इसके अलावा भी कई दुर्गा मंदिर देश में मौजूद हैं। नवरात्रि के मौके पर आप भी माता के प्राचीन और पवित्र मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। वैसे तो देश विदेश तक माता के 52 शक्तिपीठ, कई प्रसिद्ध दुर्गा माता मंदिर स्थापित हैं, लेकिन अगर आप नवरात्रि के दौरान मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध दुर्गा माता मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। मध्य प्रदेश में इंदौर का मैंका मंदिर, जबलपुर का चामुंडा देवी मंदिर, भोपाल का बिजासन माता मंदिर और खजुराहो में चिंध्वारा देवी मंदिर आदि हैं।

मैहर देवी मंदिर

मध्य प्रदेश के सतना ज़िले में प्रसिद्ध और प्राचीन मैहर माता का मंदिर है। यह मंदिर त्रिकूट पहाड़ी के ऊपर स्थित है। मैहर देवी मंदिर को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। कहते हैं कि यहां माता सती के गले का हार गिरा था, इस वजह से मंदिर का नाम मैहर रखा गा। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 1000 से अधिक सीढ़ियां बनी हैं। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए केबल कार (ट्रॉली) और कुछ किलोमीटर तक टैक्सी सेवा भी मिलती है। नवरात्रि समेत हर मौके पर यहां भक्तों की भीड़ रहती है।

कालिका माता मंदिर

एमपी के रतलाम जिले में कालिका माता मंदिर है, जो मां दुर्गा का एक स्वरूप हैं। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यह चमत्कारी मंदिर है। कहते हैं कि जो भक्त माता कालिका की मूर्ति के सामने खड़ा होता है, उसके शरीर में विशेष प्रकार की ऊर्जा संचयन होने लगती है। हर दिन यहां हजारों भक्त दर्शन करने और माता का आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं। नवरात्रि के मौके पर कालिका माता मंदिर के आसपास मेले का आयोजन होता है।

चौसठ योगिनी मंदिर

राज्य के भेड़ाघाट में माता का लोकप्रिय मंदिर है, जिसका नाम चौसठ योगिनी मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी के आसपास किया गया था। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां देवी दुर्गा के साथ 64 योगिनियां निवास करती हैं। मंदिर भक्तों के लिए सुबह 7 बजे से रात्रि 8.30 तक खुला रहता है। भेड़ाघाट का चौसठ योगिनी मंदिर प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रतीक होने के साथ कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 81 कोणों पर आधारित इस मंदिर के गर्भ गृह में शिव-पार्वती की अत्यंत प्राचीन प्रतिमा है और बाहरी हिस्से में चौसठ योगिनियां (प्रतिमाएं) पहरे की मुद्रा में हैं।

श्री मांढरे माता मंदिर

मध्य प्रदेश के सुंदर से शहर ग्वालियर में भी माता का पवित्र मंदिर स्थित है। श्री मांढरे माता मंदिर काफी प्राचीन है। यह मंदिर कंपू क्षेत्र के कैंसर पहाड़ी पर स्थित है। कहते हैं कि यहां माता के दर्शन करने और सच्चे मन से प्रार्थना करने पर मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

बिजासन माता मंदिर

मध्य प्रदेश में मौजूद चर्चित दुर्गा मंदिरों में से एक बिजासन माता मंदिर है, जो कि इंदौर में स्थित है। इंदौर के करीब 800 फीट ऊंचाई पर पहाड़ों पर बसे इस दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के मौके पर काफी भीड़ होती है। दूर दराज से हर दिन लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए बिजासन माता मंदिर आते हैं। मंदिर के आसपास मेले का आयोजन होता है और मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

मनोहर: क्या एक वाईफ अपने हसबंड को लखपती बना सकती है? गजोधर: हां, पर हसबंड करोड़पती होना चाहिए।

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद: अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हे देख कर दूध तो देती रहेगी।

संता: आज मेरी गर्लफ्रेंड का बर्थडे है, उसे क्या दूं? बंता: दिखने में कैसी है? संता: मस्त है। बंता: मेरा मोबाइल नंबर दे दे!

कहानी | रेत से चीनी अलग करना

बादशाह अकबर के दरबार में सभा की कार्यवाही चल रही थी। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति दरबार में पहुंचा। उसके हाथ में एक मर्तबान था। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा कि महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' अब दरबारी ने कहा- 'गलती माफ हो महाराज, लेकिन मैंने बीरबल की बुद्धिमत्ता के कई किस्से सुने हैं। मैं उनकी परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा कि देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा कि महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' अब सभी लोग हैरान थे, तभी बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। अब वह मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा कि अरे यह क्या कर रहे हो?' इस पर बीरबल ने कहा, 'ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। इस पर उस व्यक्ति ने पूछा कि चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा कि रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा, 'अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रिश्तेदारों या करीबी दोस्तों से सुखद समाचार की उम्मीद की जा सकती है। आपको जरा धीमे चलना होगा। छात्रों के लिए आज का दिन शुभ है।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में कोई ऐसा कार्य सौंपा जा सकता है, जिसके लिए आपको अपने सहयोगी के साथ की आवश्यकता होगी।

मिथुन

आज आपका काफी समय से रुके हुए कार्य आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे।

कर्क

पारिवारिक सदस्य आज आपकी भावनाओं की कद्र करेंगें। आप किसी मनोरंजक स्थल पर घूमने जा सकते हैं। भाई-बहन के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए कुछ मानसिक चिंताएं लेकर आएगा। व्यापारी वर्ग के लिए आज समय कुछ नई नई योजनाओं को लागू करने के लिए रहेगा।

कन्या

आज घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्गों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है।

तुला

राजनीति से सम्बद्ध लोगों का दिन उपलब्धियों से भरा रहेगा। दबी हुई समस्याएं फिर से उभरकर आपको मानसिक तनाव दे सकती हैं। परिवार माहौल यथावत रहेगा।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी भरा रहेगा। आज आपको संतान की ओर से कोई निराशाजनक समाचार सुनने को मिलेगा, जिसके कारण आप परेशान रहेंगे।

धनु

आज का दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। कारोबार को लेकर जिम्मेदारियां बढ़ेगी। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनपसंद कंपनी से कॉल आयेगा।

मकर

आज कारोबार में मुनाफा देखने को मिलेगा। उत्साह के साथ कार्य की शुरूआत करेंगे। आज आप भाग्य से अधिक कर्म पर भरोसा करें। जुआ-सट्टा आदि से दूर रहें।

कुम्भ

आज का दिन आपके प्रभाव व प्रताप मे वृद्धि का दिन रहेगा। आज आप अपनी बुद्धि से कुछ ऐसी नई नई खोज करेंगे, जो आपके व्यापार में लाभदायक रहेंगे।

मीन

आज पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है। आपके व्यवहार से जीवनसाथी प्रसन्न रहेगा। आज शाम तक कोई शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दोनों में राजवीर के प्रदर्शन से खुश है देओल परिवार

सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर ने भी फिल्म दोनो के साथ फिल्मी दुनिया में कदम रख दिए हैं। डेब्यू फिल्म में राजवीर ने अपनी मासूमियत से फैंस का दिल जीत लिया है। बता दें कि राजवीर देओल परिवार के सबसे छोटे सदस्य हैं। अब हाल ही में, राजवीर ने खुलासा किया है कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के फ्लॉप होने के बाद भी उनके परिवार वालों को दोनों काफी पसंद आई है। अभिनेता राजवीर देओल ने हाल ही में, खुलासा किया कि उनकी पहली फिल्म दोनों के रिलीज होने के बाद से ही उनका परिवार काफी खुश है और शूटिंग के दौरान भी अभिनेता को अपने परिवार से प्यार और समर्थन मिलता रहा था। वह अपने पापा के नक्शेकदम पर चलें और आज उनके पापा को उनपर काफी गर्व भी है। अभिनेता सनी देओल और पूजा देओल के बेटे राजवीर ने दो हफ्ते पहले दोनों के साथ स्क्रीन पर डेब्यू किया, जिसमें उनकी सह-कलाकार पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ढिल्लों और निर्माता अशोक ठकेरिया थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में राजवीर ने फिल्म में काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, मेरे परिवार का प्यार मेरे लिए एक सुरक्षा कवच जैसा है क्योंकि मुझे पता है कि अगर मेरे परिवार को मेरा कोई काम पसंद नहीं आता है तो वह इसे मेरे मुंह पर बोल सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि बस करते रहो। तुम्हारे जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। इसलिए सुधार करते रहो और इस इंडस्ट्री में बने रहना तुम्हारी किस्मत तय करेगी। राजवीर ने आगे कहा कि इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना काफी मुश्किल रहा है क्योंकि यहां कब क्या हो जाए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में परिवार का साथ ही मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

शाह की सफलता का मेरे करियर में कोई योगदान नहीं था : रत्ना

रत्ना पाठक इन दिनों धक धक फिल्म को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह अपनी सह कलाकार दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख और संजना सांघी के साथ फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। रत्ना का थिएटर, टेलीविजन और सिनेमा जैसे माध्यमों में लंबे समय तक चलने वाला अभिनय करियर रहा है। हाल ही में, अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के शुरुआती दिनों को याद कर बताया कि कैसे उन्हें नसीरुद्दीन शाह की सफलता ने उनके करियर में कोई खास मदद नहीं की है। रत्ना पाठक शाह अपनी हालिया रिलीज फिल्म धक धक से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। फिल्म में उनके अभिनय की भी खूब तारीफ की जा रही है ऐसे में अभिनेत्री फिल्म का जमकर प्रचार-प्रसार कर रही हैं और इंटरव्यू भी दे रही हैं। इन्हीं में से एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और कई दिलचस्प खुलासे भी किए। हाल ही में एक साक्षात्कार में, रत्ना ने बताया कि वह नसीरुद्दीन शाह की कई सफल परियोजनाओं का हिस्सा थीं, लेकिन इसके कारण उन्हें प्रमुख भूमिकाएं नहीं मिलीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्मों में कुछ काम पाने की उम्मीद कर रही थी। हर कोई मेरे ड्राइंग रूम में बैठता था और किसी न किसी फिल्म के बारे में बात करता था। सभी तरह की चर्चाएं होती थीं क्योंकि नसीर उन फिल्मों का हिस्सा थे। इन सब के बावजूद मुझे काम नहीं मिला और इससे मुझे आश्चर्य हुआ। रत्ना ने आगे कहा, मैंने कुछ फिल्में कीं, जिनमें श्याम बेनेगल की मंडी भी शामिल है, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने यह एक एहसान के तौर पर किया। नसीर और मेरी तुरंत ही शादी हुई थी और नसीर को दो महीने के लिए मुझे छोड़कर इस फिल्म पर काम करना था। इसलिए श्याम ने कहा कि ठीक है तुम भी आ जाओ, लेकिन फिल्म में मेरी भूमिका पलक झपकते ही है। हालांकि, मैंने पूरी शूटिंग का आनंद लिया। बता दें कि धक धक का निर्देशन तरुण डुडेजा द्वारा किया जा रहा है, वहीं फिल्म की कहानी पारिजात जोशी ने लिखी है। तापसी पन्नू की आउटसाइडर्स फिल्म्स और वायाकॉम 18 स्टूडियोज ने बीएलएम पिक्चर्स के साथ मिलकर धक धक का निर्माण किया है।

द बकिंघम मर्डर्स में मिले रोल का था 23 साल से इंतजार: करीना

करीना कपूर खान ने हाल ही में जाने जान से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। सुजॉय घोष की इस फिल्म में अभिनेत्री की लोगों ने खूब तारीफ की है। इसके बाद जल्द ही वह हंसल मेहता की द बकिंघम मर्डर्स में नजर आने वाली हैं। बीते दिन यानी 14 अक्टूबर को बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रीमियर हुआ। फिल्म के प्रीमियर से करीना काफी ज्यादा खुश हैं। अभिनेत्री को इस बात की खुशी है कि पू और गीत जैसे अपने ग्लैमरस किरदारों के लिए मशहूर होने के बाद आखिरकार उनके पास एक फिल्म है जो एक फेस्टिवल में गई है। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं और एक भावनात्मक नोट में अपने किरदार जसमीत भामरा के बारे में बात की। करीना ने लिखा, जस

बॉलीवुड | मसाला

भामरा...जस एक ऐसा किरदार था, जिसे निभाने का मैं पिछले 23 सालों से इंतजार कर रही थी। जासूसी शैली की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते...प्राइम सस्पेक्ट में करमचंद से लेकर हेलेन मिरेन तक और हरक्यूल में अगाथा क्रिस्टी से लेकर पोइरोट में केट विंसलेट तक सब कुछ देखा है। मैं जासूस महिला बनने के लिए मरी जा रही थी। उन्होंने आगे इस फिल्म में अपनी यात्रा के बारे में उल्लेख किया और कहा, हंसल और एकता द्वारा मुझे दिए गए 25 पन्नों के सारांश पर मैंने इसे एक बजे पढ़ना शुरू किया, जिसके बाद मुझे पता चल गया मुझे वह महिला मिल गई है जो मैं बनना चाहती थी...एकता, हंसल और मैं थोड़ी अपरंपरागत फिल्म बनाने के लिए इस यात्रा पर निकले हैं, एक ऐसी फिल्म जिसमें दिल हो, थोड़ी मुस्कुराहट हो, और, ढेर सारे आंसू भी हों...।

अजब-गजब | ये है मरे हुए लोगों की धरती! लोग सहेजे रखते हैं शव

रिवलाते-पिलाने और कपड़े बदलते रहने का है रिवाज

दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें हैं, जिनके बारे में हमें इतना नहीं पता होता है। धरती पर अलग-अलग देशों में ऐसे तमाम रीति-रिवाज़ हैं, जिन्हें समझ पाना ही कई बार काफी मुश्किल हो जाता है। एक ऐसा ही रिवाज इंडोनेशिया के एक खास द्वीप में मौजूद जनजाति के लोग निभाते हैं। आमतौर पर आप सोच भी नहीं सकते कि मृत लोगों के शरीर को दफनाने के बाद वापस निकाला जाए, लेकिन यहां ऐसा पारंपरिक तौर पर किया जाता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के सुलावेसी नाम के द्वीप में ये परंपरा चली आ रही है। यहां रहने वाले टोराजन लोग अपने परिवार के लोगों की मौत हो जाने के बाद भी उन्हें मृत नहीं मानते हैं। वे उनके शरीर को हफ्ते, महीनों और कई बार सालों तक ममी बनाकर रखते हैं। दिलचस्प बात ये है कि वे इन्हें किसी बीमार शख्स की तरह ट्रीट करते हैं।

टोराजन लोग मृत लोगों को को बीमार और सो रहे इंसान की तरह मानते हैं। वे उन्हें वक्त पर खाना देते हैं, साफ-सुथरा कपड़े पहनाते हैं और उनका पूरा ध्यान रखते हैं। नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के मुताबिक लोग मृत शरीर को लोग अपनी आर्थिक स्थिति के मुताबिक घर पर रखते हैं। गरीब लोग जहां जल्दी ही अंतिम संस्कार कर देते हैं, वहीं अमीर लोग इन्हें कई वर्षों तक घर में ममी बनाकर रखते हैं। इन्हें तोमाकुला यानि बीमार व्यक्ति माना जाता है। इन्हें आखिरी विदा देने का तरीका भी काफी अलग है। जिस तरह हिंदू धर्म में मृत्यु के देवता यमराज की सवारी भैंसे को माना जाता है, उसी तरह टोराजन लोग भी भैंस को दूसरे लोक का वाहन मानते हैं। यही वजह है कि इनके पूर्वज कहते थे कि अगर मरने वाले शख्स के पास भैंस नहीं थी तो वो जल्दी दूसरे लोक में नहीं जाता है। उनका मानना है कि मृत्यु के बाद आत्मा आसमान में पुया के तौर पर लौट जाती है। ये लोग अंतिम संस्कार के बाद भी पूर्वजों की टॉम्ब्स पर हर दूसरे साल जाते हैं। यहां से शव निकालते हैं, उन्हें साफ करते हैं और नए कपड़े पहनाकर वापस रख देते हैं।

गांव से भी छोटा है ये देश, रहते हैं सिर्फ 297 लोग, है अपना झंडा, मुद्रा और राजकुमारी भी!

दुनिया में ऐसी तमाम चीजें हैं, जिनके बारे में हमें पता ही नहीं है। हालांकि जब इनकी जानकारी हमें होती है, तो हम आश्चर्यचकित रह जाते हैं। ऐसे ही दुनिया के कुछ सबसे छोटे देशों की बात आएगी, तो सैन मैरिनो और वेटिकन सिटी जैसे देशों का नाम आता है। हालांकि हम आपको आज इससे इतर एक ऐसे देश के बारे में बताते हैं, जो सिर्फ 14 किलोमीटर में बसा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक इस छोटे से देश का नाम सेबोर्गो है, जिसका क्षेत्रफल इतना है, जितने में एक गांव भी ठीक से नहीं बस पाएगा। हालांकि पिछले 1000 साल से इसे आज़ाद मुल्क का दर्जा मिला हुआ है। ये छोटा है, इसका ज़रा भी मतलब नहीं है कि यहां आने के लिए आपको पासपोर्ट की ज़रूरत नहीं होगी। इसकी बाकायदा सीमाएं तय हैं और पासपोर्ट लेने के बाद ही एंट्री मिलती है। इस मुल्क को 1000 साल पहले ही आज़ादी मिली थी और पोप ने इसके मालिक को प्रिंस घोषित किया था। साल 1719 में सेबोर्गा बिक गया लेकिन इसका माइक्रोनेशन का दर्जा कायम रहा। जब 1800 में इटली का एकीकरण हुआ तो लोग इसे गांव को भूल गए। 1960 में यहां के स्थानीय निवासी को जब पता चला कि सेबोर्गा की राजशाही औपचारिक तौर पर खत्म नहीं हुई है तो उसने खुद को प्रिंस जियोर्जियो 1 घोषित कर दिया। अगले 40 साल में उसने यहां का संविधान, मुद्रा, स्टैंप और नेशनल हॉलीडे भी बना डाला। 320 लोगों वाले इस देश में अगला राजा प्रिंस मार्सेलो बना। इस वक्त सेबोर्गा की राजकुमारी प्रिंसेस नीना हैं, जिन्हें साल 2019 में चुना गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने राजकुमारी बनने के बारे में नहीं सोचा था। यहां की मुद्रा Seborga luigino है, जो 6 यानि 499 रुपये के बराबर है। यहां कुछ सैलानी घूमने भी आते हैं क्योंकि यहां पुराने खूबसूरत घर और रेस्टोरेंट हैं। लोगों को ये टाइम ट्रैवेल जैसा लगता है और वे इसे देखने के लिए आते हैं। इस गांव की जनसंख्या 297 है।

जिनका मन और मेहनत एक है ईश्वर उनके साथ : दिग्विजय

टिकट बंटवारे मामले में बड़े लोग धैर्यपूर्वक समाधान निकालें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । मंगलवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब परिवार बड़ा होता है तो सामूहिक सुख और सामूहिक द्वंद्व दोनों होते हैं। समझदारी यही कहती है कि बड़े लोग धैर्यपूर्वक समाधान निकालें। ईश्वर भी उन्हीं का साथ देते हैं जो मन और मेहनत का मेल रखते हैं। नर्मदे हर। इसे उन्होंने एमपी कांग्रेस, आईएनसी कांग्रेस, एमपी बीजेपी, बीजेपी इंडिया और कमलनाथ के सोशल मीडिया अकाउंट को भी टैग किया। इस ट्वीट पर कयास लगाए जा रहे है कि कांग्रेस में टिकट को लेकर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। जब परिवार बड़ा होता है तो सामूहिक सुख और सामूहिक द्वंद्व दोनों होते हैं।

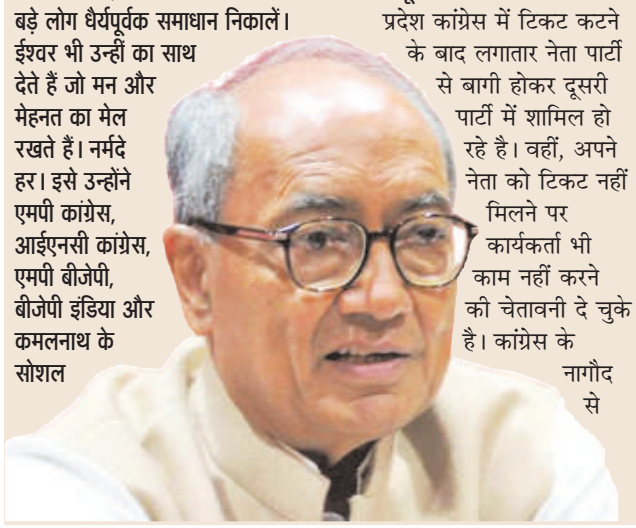

प्रदेश कांग्रेस में टिकट कटने के बाद लगातार नेता पार्टी से बागी होकर दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे है। वहीं, अपने नेता को टिकट नहीं मिलने पर कार्यकर्ता भी काम नहीं करने की चेतावनी दे चुके है। कांग्रेस के नागौद से बागी पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह को बसपा ने टिकट दे दिया है। कांग्रेस के धार से पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी ने इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष अजय यादव और ग्वालियर कांग्रेस नेता केदार कंसाना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह दोनों निर्दलीय चुनाव लड़ सकते है। उज्जैन के कांग्रेस नेता विवेक यादव आप में शामिल हो गए।

रघुवंशी की वीडियो ने बढ़ाया संकट

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली सूची के आने के बाद टिकट कटने से असंतोष और बगावत बढ़ गई है। इस बीच सोमवार को भाजपा से कांग्रेस में शामिल होने वाले वीरेंद्र रघुवंशी का टिकट कटने पर समर्थक पीसीसी चीफ कमलनाथ से मिलने पहुंचे। इसका वीडियो भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने शेयर करते हुए लिखा। इसमें कमलनाथ कह रहे है कि आप दिग्विजय सिंह और जयवर्धन के कपड़े फाड़िए। इस पर आशीष अग्रवाल ने लिखा कि अरे कमलनाथ जी आप तो कपड़े फड़वाने पर भी उतारू हो गए। खैर आप भी कर ही क्या सकते हैं जब पूरी कांग्रेस ही दो फाड़ हो गई है। वैसे शिवपुरी से आए वीरेंद्र रघुवंशी के समर्थकों की कमलनाथ जी से बातचीत का यह वीडियो देख दिग्विजय सिंह जी आप आपके सुपुत्र को पीड़ा तो जरूर होगी और बदला भी तगड़ा लेंगे! अब देखना दिलचस्प होगा कि कपड़े कौन किसके फाड़ेगा। इस पर कांग्रेस की तरफ से वीडियो के फेक होने की आशंका जताई है।

भाजपा प्रत्याशी बांट रहे घड़ी और राशन सामग्री : अजीत सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में अभी कांग्रेस पार्टी ने अभी अपना प्रत्याशी भी घोषित नहीं किया है और मतदाताओं को लुभाने के लिए उज्जैन दक्षिण से भाजपा के उम्मीदवार मंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घड़ी एवं खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है। यह सामग्री डॉ. मोहन यादव के समर्थक व पार्षद क्षेत्र की जनता तक पहुंचा रहे हैं।

मोहन यादव की चुनाव आयोग से शिकायत

कांग्रेस नेता अजीत सिंह ने ये आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या बताया और कहा कि इस प्रकार के कृत्य से खुले रूप से आचार संहिता के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। बावजूद इसके चुनाव आयोग मौन है। मामले में चुनाव आयोग को शिकायत कर मामले में संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की गई है। जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि भाजपा की बौखलाहट सामने आने लगी है। 10 साल तक जनता को खूब लूटा, अब 100-200 रुपये की घड़ी पर खुद का फोटो लगाकर इसे बांटा जा रहा है और आमजन को प्रलोभन दिया जा रहा है। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में डॉ. मोहन यादव के प्रति नाराजगी इस कदर बढ़ गई है कि उन्हें अपनी हार नजर आने लगी है, यही कारण है कि जिन क्षेत्रों की उन्हें कभी याद नहीं आई आज वहां पार्षद, अपने कार्यकर्ताओं से राशन पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस नेता अजीत सिंह ने मामले में चुनाव आयोग में शिकायत की तथा कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने वाले अब 1000-500 रुपये खर्च कर मतदाताओं को लुभाने का काम कर रहे हैं। खुद की फोटो लगाकर जिस घड़ी को जनता को मोहन यादव के समर्थक बांट रहे हैं यही घड़ी उनकी हार का समय बताएगी।

फोटो :4 पीएम

मांग लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली मोर्चा के बैनर तले छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन। जिन्हें पुलिस हल्का बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर ले गई।

आंधी-पानी और ओलावृष्टि ने बढ़ाई ठंड

आज भी बारिश के आसार, दोपहर से खुलेगा मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोमवार को पूरे प्रदेश में तेज बारिश हुई। यह बारिश कहीं पर कम तो कहीं पर ज्यादा हुई। यूपी के कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में चल रहा क्रिकेट वर्ल्ड कप का मैच भी बारिश की वजह से प्रभावित हुआ। पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तर प्रदेश के मौसम पर दिखा। सोमवार का दिन आंधी-पानी और ओलावृष्टि के नाम रहा।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मंगलवार की सुबह तक मौसम ऐसा ही रहेगा। लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही मौसम खुलने लगेगा। शाम तक हालात सुधरने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार तक मौसम सामान्य हो जाएगा और धूप निकलने लगेगी। लखनऊ के मलिहाबाद के साथ ही बिजनौर, रामपुर सहारनपुर में ओले गिरे जाने की सूचना है। इस दौरान सर्वाधिक बरसात नजीबाबाद (34.6 मिमी) में रिकॉर्ड हुई। प्रदेश में हवा की रफ्तार भी काफी तेज रही। शाहजहांपुर में हवा की गति 81किमी प्रति घंटे थी, यह प्रदेश में सबसे अधिक है। दूसरे नंबर पर तेज हवा लखनऊ की रही, यहां 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। पश्चिमी विक्षोभ के साथ चलीं पछुआ हवाओं ने चक्रवातीय दबाब पैदा किया है, इसके कारण प्रदेश का मौसम बदल गया है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आंधी-पानी और गरज-चमक के साथ वज्रपात के आसार बने हुए। सोमवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ बरसात का दौर दोपहर बाद लखनऊ में भी रंग दिखाने लगा और कड़कते बादलों के साथ बारिश शुरू हो गई। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर उत्तर प्रदेश में मंगलवार तक दिखेगा। इस दौरान कुछ इलाकों के लिए अलर्ट भी जारी किया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

हिमाचल और उत्तराखंड में हुई बर्फबारी

हिमाचल में लाहौल, कुल्लू, किन्नौर, धर्मशाला और चंबा की ऊंची चोटियां सफेद चादर से ढक गईं। शिमला के नारकंडा के पास हाटू पीक, सिरमौर के चूड़धार और मंडी के शिकारी देवी में भी हिमपात हुआ। वहीं, उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर समेत केदारपुरी और बदरीनाथ धाम की चोटियों पर हिमपात हुआ, जबकि निचले क्षेत्रों जोशीमठ, गोपेश्वर, पोखरी, नंदानगर, पीपलकोटी में तेज हवा के साथ बारिश और कुछ जगह ओलावृष्टि भी हुई।

नूंह हिंसा मामले में मोनू मानेसर को मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोर्ट ने नूंह हिंसा मामले में मोनू मानेसर को सोमवार को जमानत दे दी है। मोनू मानेसर के वकील एलएन पाराशर ने करीब एक सप्ताह पहले नूंह कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। जिसकी सुनवाई चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अमित वर्मा की अदालत ने करते हुए 3:30 बजे जमानत का फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार, मोनू मानेसर ने 26 को अगस्त भड़काऊ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली थी। इस संदर्भ में नूंह साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 26 अगस्त को केस दर्ज किया था। वहीं, पुलिस ने 12 सितंबर को मोनू मानेसर को सेक्टर-1 मानेसर से गिरफ्तार किया था।

इकाना में खुला ऑस्ट्रेलिया की जीत का खाता

5 विकेट से श्रीलंका को धोया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार दो हार के बाद आखिरकार ऑस्ट्रेलिया को लखनऊ के इकाना में जीत मिल गई। इस जीत के साथ वर्ल्ड 2023 में अपनी जीत का खाता खोल लिया है। एकतरफा मुकाबले में कंगारू टीम ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराया। भारत की धरती पर खेले जा रहे विश्व कप में महज एक जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। श्रीलंका 1996 वर्ल्ड कप के बाद से लेकर अब तक कंगारू टीम के खिलाफ एक भी जीत नहीं दर्ज कर सकी है।

दरअसल, 50 ओवर के वर्ल्ड कप में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम दर्ज हो गया है। कंगारू टीम ने विश्व कप में श्रीलंका को यह 9वीं बार पटखनी दी है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में टीम इंडिया और पाकिस्तान दोनों को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने पाकिस्तान को विश्व कप में आठ बार हराया है, तो पाकिस्तान ने श्रीलंका को भी इतनी ही दफा हार का स्वाद चखाया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 43.3 ओवर में 209 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम को पाथुम निशंका और कुशल परेरा ने दमदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। निशंका ने 61 रन बनाए, तो परेरा ने 78 रन कूटे। हालांकि, इन दोनों के आउट होने के बाद श्रीलंका का बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह से लड़खड़ा गया और देखते ही देखते पूरी टीम 209 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने चार विकेट झटके, जबकि पैट कमिंस और स्टार्क ने दो-दो विकेट झटके।

210 रन के लक्ष्य

श्रीलंका से मिले 210 रन के लक्ष्य के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेविड वॉर्नर को महज 11 रन के स्कोर पर दिलशान मधुशंका ने चलता किया। वहीं, स्टीव स्मिथ भी बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सके और जीरो पर पवेलियन लौटे। इसके बाद मार्श के साथ मिलकर मार्नस लाबुशेन ने तीसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। मार्श 52 रन बनाकर आउट हुए, तो लाबुशेन ने 40 रन का योगदान दिया। मार्श के पवेलियन लौटने के बाद क्रीज पर उतरे जोश इंग्लिस ने बल्ले से रंग जमाया। इंग्लिस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 59 गेंदों पर 58 रन कूटे। लाबुशेन के साथ मिलकर इंग्लिस ने चौथे विकेट के लिए 77 रन जोड़े। इंग्लिस ने अपनी पारी के दौरान पांच चौके और एक छक्का जमाया। ग्लेन मैक्सवेल 21 गेंदों पर 31 रन बनाकर नाबाद लौटे, तो मार्कस स्टोइनिस भी 20 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की जयंती पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर ने बनाया रिकॉर्ड

सलेमपुर लोकसभा की विश्व पटल पर बनी पहचान

राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन ने किया था आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सलेमपुर लोकसभा में राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन द्वारा आयोजित किए जा रहे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और हाई रेंज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा अब तक आयोजित होने वाले सबसे बड़े स्वास्थ्य शिविर का खिताब दिया गया है। शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की जन्मतिथि पर देवरिया में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। राजेश दयाल फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोगों को मुफ्त में इलाज किया । इस अवसर पर शहीद अंशुमान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रदान की गई। इस अवसर पर चिकित्सकों को पुरुस्कृत किया गया।

गौरतलब हो कि देवरिया के इस लाल की मृत्यु लद्दाख के सियाचिन में हो गई थी। बलिदान हुए कैप्टन अंशुमान सिंह की जन्म तिथि 16 अकटूबर को होती है। उनकी जन्मतिथि पर लोगें ने भारत माता की जय के नारे के साथ बलिदानी के अमर रहें के नारे लगाकर उन्हें याद किया।

गंभीर मरीजों को मिलेगी मदद : राजेश सिंह

सम्मान में राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन की ओर से प्रशस्ति पत्र और मेडल भी प्रदान किया गया। इस दौरान चंदन हॉस्पिटल के निदेशक अमित श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। वहीं, क्षेत्र के 3000 से ज्यादा लोगों को मुफ्त इलाज मिला। चल रहे शिविर में स्वयं राजेश सिंह दयाल ने गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे कई मरीजों को लखनऊ के प्रसिद्ध चंदन अस्पताल में इलाज कराने का आश्वासन दिया।

जुलाई में हुए थे शहीद

गत 19 जुलाई को अुंशमान सिंह सियाचीन में शहीद हुए थे। मां मंजू देवी जवान बेटे का पार्थिव तिरंगे में लिपटा देख दहाड़ मारकर रोने लगी और रोते-रोते बेहोश हो जातीं। लोग समझाते और घर के अंदर ले जाते। बावजूद इसके वह अपने कलेजे के टुकड़े के पास दौड़ कर चली आतीं। जब अंतिम यात्रा निकली तो वह बेसुध हो गई। मां को रोता देख वहां मौजूद लोगों की भी आंखें भर आई।

मौजूद रहे शहीद के माता-पिता

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद डॉ.अंशुमान सिंह को श्रद्धांजलि देकर की गई जिसमें उनके पिता रवि प्रताप सिंह और मां मंजू सिंह मौजूद रहीं, इसके बाद राजेश सिंह दयाल ने शहीद को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके सर्वोच्च बलिदान का महत्व समझाते हुए समाज के सभी लोगों को जाति-पाति से ऊपर उठकर प्रेम भाव से समाज हित में काम करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सोनेलाल पटेल की हत्या की जांच सीबीआई से हो : पल्लवी

» अपना दल कमेरावादी का जिला मुख्यालय पर जोरदार धरना प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी के तत्वावधान में प्रदेशव्यापी आन्दोलन के तहत हजरत गंज डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा पर जोरदार धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं ने बाजू पर काली पट्टी बांध कर धरना प्रदर्शन के माध्यम से अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल जी के हत्या की सी.बी.आई. जांच करने की मांग उठाई।

धरना प्रदर्शन के दौरान हुई सभा को संबोधित करते हुए कृष्णा पटेल ने कहा कि अपना दल की स्थापना राजसत्ता पर कब्जा कर संपूर्ण व्यवस्था परिवर्तन के लिए किया

गया था। जब अपना दल अपने राजनैतिक अभियान को तेजी से आगे बढा रहा था, तभी वर्ष 1999 में तत्कालीन भाजपा सरकार के शह पर संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल जी के ऊपर इलाहबाद के पीढ़ी रडन पार्क में एक जनसभा के दौरान प्राणघातक हमला कराया गया। इस दौरान डॉ. पटेल के साथ कई कार्यकर्ताओं ने जेल यात्रा की।

पूर्वमंत्री चौधरी लाल सिंह के घर पर ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिगड़े मौसम के बीच मंगलवार को जम्मू संभाग के जिला कठुआ में पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह के घर पर छापा मारा। साथ ही जम्मू और पठानकोट समेत आठ अलग-अलग जगहों पर ईडी की टीम पहुंची है। ये कार्रवाई आरबी एजुकेशनल ट्रस्ट के खिलाफ पीएमएलए केस में की जा रही है।

पूर्व सांसद लाल सिंह की पत्नी एवं ट्रस्ट की चेयर पर्सन कांटा अंदोत्रा से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी हो रही है। साजिश रचकर ट्रस्ट को 329 कनाल लैंड अलॉटमेंट को लेकर छापे मारे गए हैं। सीबीआई ने 12 सितंबर 2020 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया है। जम्मू में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

मेरठ में पटाखा फैक्ट्री में धमाके से चार की मौत, कई घायल

» तीन मकान ढहे, राहत-बचाव कार्य जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के लोहिया नगर स्थित एक मकान में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मकान में संचालित फैक्टरी में हुए जोरदार विस्फोट से पूरा इलाका दहल गया। धमाका इतना तेज था कि जिस मकान में फैक्टरी चल रही थी उसके साथ ही आस पास के दो-तीन मकान और धराशायी हो गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है वहीं दस से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें मेडिकल में भर्ती कराया गया है।

वहीं डीएम व मजिस्ट्रेट समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। डीएम दीपक मीणा के अनुसार पटाखा फैक्टरी जैसी बात

सामने नहीं आई है मौके से काफी मात्रा में साबुन बिखरा मिला है। बताया कि मकान में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। धमाका इतना जबरदस्त था कि 33 केवी की लाइन के खंभे भी टूट गए। सड़क पर जा रहे कई लोग घायल हो गए। करीब 3 से 4 किमी तक आस पास के मकान धमाके से हिल गए। जो मकान धराशायी हुआ है वह किसी संजय गुप्ता का बताया जा रहा है जो गौरव त्यागी नाम के व्यक्ति ने किराए पर ले रखा था। पुलिस मौके पहुंचकर छानबीन कर रही है।

मैच के दौरान इकाना में दर्शकों के बीच गिरीं होर्डिंग

» मची अफरा-तफरी, नीचे भागे स्टेडियम में बैठे दर्शक

आराध्य त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ के इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में कल विश्व कप का एक और मैच खेला गया। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच खेले गए इस मैच में बारिश और आंधी-तूफान भी बाधा बना। हालांकि, इन बाधाओं के बाद भी मैच तो पूरा हुआ। लेकिन थोड़ी देर के लिए ही आए इस आंधी-तूफान इकाना स्टेडियम की व्यवस्थाओं की कलई खोल कर रख दी।

क्योंकि इस आंधी से पूरे इकाना प्रशासन की अव्यवस्था खुलकर सामने आ गई। इतना ही नहीं क्रिकेट मैदान के अंदर भी इकाना प्रशासन की अव्यवस्था के चलते एक बड़ा हादसा होने से टल गया। क्योंकि एक होर्डिंग दर्शकों के ऊपर ही गिरी आकर। वो तो किस्मत अच्छी रही कि कोई बड़ा हादसा होने

से टल गया। इसके अलावा स्टेडियम के अंदर भी कई जगह बने कैनोपी और प्रशासन के बैरिकेट भी गिरे पड़े थे। इससे भी उसके आस-पास खड़े लोगों को खतरा हो सकता था। इसके अलावा विश्व कप के इस मैच में भी स्टेडियम में दर्शकों का टोटा ही रहा। क्योंकि स्टेडियम की लगभग 95 प्रतिशत कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। कुल मिलाकर इकाना में अब तक हुए दो मैचों में न तो दर्शकों का आना हुआ है और न ही इकाना की व्यवस्था दुरुस्त दिखाई दी है।

स्टेडियम की व्यवस्थाओं की खुली पोल

कुछ देर चली आंधी में ही इकाना स्टेडियम की व्यवस्थाओं की कलई खोलकर रख दी। क्योंकि इस आंधी के दौरान स्टेडियम में दर्शकों के बीच भी ऊपर लगी कई होर्डिंग्स गिरने लगीं। इस दौरान एक बड़ी होर्डिंग भी दर्शकों के बीच में गिरी आकर जिससे दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई। इतना ही नहीं ब्राडिंग सामग्री के साथ लोहे के एंगल निचले स्तर के सीटों पर गिर गए। इस होर्डिंग के गिरने से किसी को भी चोट लग सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, खुशकिस्मती रही कि किसी के हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। लेकिन आंधी के चलते स्टेडियम में कई जगह होर्डिंग्स व कैनोपी गिर गईं। हाल ही में स्टेडियम के पास होर्डिंग्स गिरने से मां-बेटी की मौत हो चुकी है।

दर्शकों को सुरक्षित सीटों पर जाने की हुई घोषणा

मैदान में दर्शकों के बीच लगातार होल्डिंग्स और लोहे के एंगल गिरने से दर्शकों में भी हलचल मच गई। जिसके बाद स्टेडियम प्रशासन की ओर से खुद सार्वजनिक घोषणा करके दर्शकों को ऊपर की सीट से नीचे की ओर आने को कहा गया। इसके बाद सभी होर्डिंग से दूर चले गए। क्योंकि प्रशासन को खुद ये खतरा था कि कोई हादसा हो सकता है।

पुलिस बैरिकेट्स भी औंधे मुंह गिरे

दर्शकों के बीच होल्डिंग्स गिरने के अलावा स्टेडियम में लगे पुलिस बैरिकेट भी गिर गए। जिसके बाद पुलिसकर्मी उन बैरिकेट्स को संभालते भी नजर आए। कदम-कदम पर लगे बैरिकेट्स औंधे मुंह गिरे पड़े थे, जिससे लोगों को निकलने में भी दिक्कत हो रही थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।